एक निवेदन

यदि आप साहस और निर्भीकता से खोजी पत्रकार के रूप में कार्य करना चाहते है और अपने आसपास के भ्रष्टाचार/अपराध/अव्यवस्थाओ को उजागर करना चाहते है ।

तो आइए आप हमारे वेबपोर्टल और यूट्यूब चैनल के साथ क्राइम रिपोर्टर के रूप में कार्य करे।

कृपया हमारी वेबसाइट पर जाकर खुद को रजिस्टर्ड करे ।

www.detectivegroupreport.com

या फिर हमें आपका पूरा बॉयोडाटा मेल करे

detectivegroupreport@gmail.com

(आपके सुझाव/लेख /न्यूज़ और सूचना का सदैव स्वागत है)

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

DGR Detective Group Report

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 193 | इंदौर, मंगलवार 27 जनवरी, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

38 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

सीएम बोले-मां नर्मदा लोक से बढ़ेंगे श्रद्धालु और रोजगार के अवसर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नर्मदा जयंती के अवसर पर नर्मदापुरम जिले में आयोजित नर्मदा जयंती एवं नर्मदा लोक के भूमि पूजन कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नर्मदापुरम जिले को 38 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के तीन विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां नर्मदा लोक के निर्माण से नर्मदापुरम जिले में श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा मध्यप्रदेश की जीवनरेखा हैं और प्रदेश की आर्थिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक समृद्धि का केंद्र हैं। माँ नर्मदा के आशीर्वाद से

मध्यप्रदेश देश की फूड बास्केट बना है और ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में भी सरप्लस राज्य के रूप में निरंतर प्रगति कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने नर्मदा तट के घाटों और तीर्थों का संरक्षण कर लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। उनकी प्रेरणा से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण हुआ है। प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप प्रदेश में धार्मिक स्थलों के विकास, लोक निर्माण और धार्मिक कॉरिडोर के कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर माँ नर्मदा जयंती की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं भी दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 21 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले नर्मदा लोक का भूमि पूजन किया तथा नर्मदापुरम में माँ नर्मदा की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। नर्मदा लोक परियोजना के अंतर्गत सेठानी घाट, पर्यटन घाट और कोरी घाट पर सीढ़ियों का नवीनीकरण किया जाएगा। साथ ही घाटों पर आकर्षक प्रवेश द्वार, वॉच टावर, सुव्यवस्थित पार्किंग तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वस्त्र बदलने हेतु कियोस्क स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 15 करोड़ रुपए की लागत से मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना योजना के अंतर्गत वर्षा जल निकासी से जुड़े कार्यों का भूमिपूजन किया। वहीं 1 करोड़ 25 लाख रुपए की लागत से निर्मित 40 फीट ऊंचे त्रिशूल एवं 8 फीट ऊंची माँ नर्मदा की भव्य प्रतिमा का भी अनावरण किया।

पूरी दुनिया ने देखा भारत का पराक्रम

कर्तव्य पथ पर ऑपरेशन सिंदूर की झलक

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारत सोमवार 26 जनवरी को अपना 77वां गणतंत्र दिवस मनाया है। दिल्ली में कर्तव्य पथ पर परेड का अब समापन हो चुका है। परेड के बाद 129 हेलीकॉप्टर यूनिट के चार Mi-17 1V हेलीकॉप्टरों से ध्वज फॉर्मेशन में फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं। कर्तव्य पथ पर भारत की स्वदेशी तोपखाने की ताकत के दो शक्तिशाली प्रतीक - धनुष गन सिस्टम और अमोघ (एडवांस्ड टोएड आर्टिलरी गन सिस्टम, ATAGS) आत्मनिर्भर भारत और रक्षा निर्माण में तकनीकी आत्मनिर्भरता की भावना को दर्शाया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से मुलाकात की थी। यूरोपीय संघ के दोनों शीर्ष नेता सोमवार को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

तब और अब : गणतंत्र की यात्रा और संविधान की आत्मा

26 जनवरी केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक जीवन की आत्मा का प्रतीक है। इसी दिन वर्ष 1950 में भारत ने अपना संविधान अंगीकार कर स्वयं को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न गणराज्य घोषित किया। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व भी है। "तब" और "अब" के बीच की यह यात्रा समय की ही नहीं, बल्कि चेतना, अधिकार और कर्तव्यों की यात्रा है।

स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी — एक ऐसे संविधान का निर्माण, जो विविधताओं से भरे इस विशाल देश को एक सूत्र में बाँध सके। डॉ. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में निर्मित संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान किया। उस समय कानून केवल शासन की व्यवस्था नहीं था, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम था। न्यायपालिका, विधायिका और अधिवक्ताओं पर राष्ट्र-निर्माण की ऐतिहासिक जिम्मेदारी थी।

आज, सात दशक बाद, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन चुका है। नागरिक अधिकारों का विस्तार हुआ है, न्यायपालिका अधिक सशक्त हुई है और कानून का क्षेत्र अत्यंत व्यापक हो गया है। तकनीक ने न्याय व्यवस्था को नई गति दी है — ई-कोर्ट, लोक अदालतें और वैकल्पिक विवाद निवारण के माध्यम से न्याय को अधिक सुलभ बनाने के प्रयास हो रहे हैं। परंतु साथ ही न्याय में विलंब, कानून की जटिलता और संवैधानिक मूल्यों से कभी-कभी होने वाला विचलन आज की गंभीर चुनौतियाँ भी हैं।

एक अधिवक्ता के रूप में यह अनुभव और दायित्व और भी गहरा हो जाता है। तब अधिवक्ता स्वतंत्रता और संविधान के प्रहरी थे, आज वे लोकतंत्र के सजग रक्षक हैं। समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाना, संविधान की गरिमा बनाए रखना और सत्य व विधि के पक्ष में निर्भीक खड़े रहना — यही अधिवक्ता का धर्म रहा है और रहेगा।

गणतंत्र की सफलता केवल कानूनों से नहीं, बल्कि नागरिकों की चेतना से निर्धारित होती है। जब प्रत्येक नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी समझेगा, तभी संविधान की आत्मा पूर्ण रूप से साकार होगी। इस गणतंत्र दिवस पर यह संकल्प लेना आवश्यक है कि हम "तब" के आदर्शों को "अब" की जिम्मेदारियों से जोड़ते हुए भारत को एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और सशक्त राष्ट्र बनाएँ।

जय हिंद।
जय संविधान।

भावेश गुप्ता
अधिवक्ता (मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय)

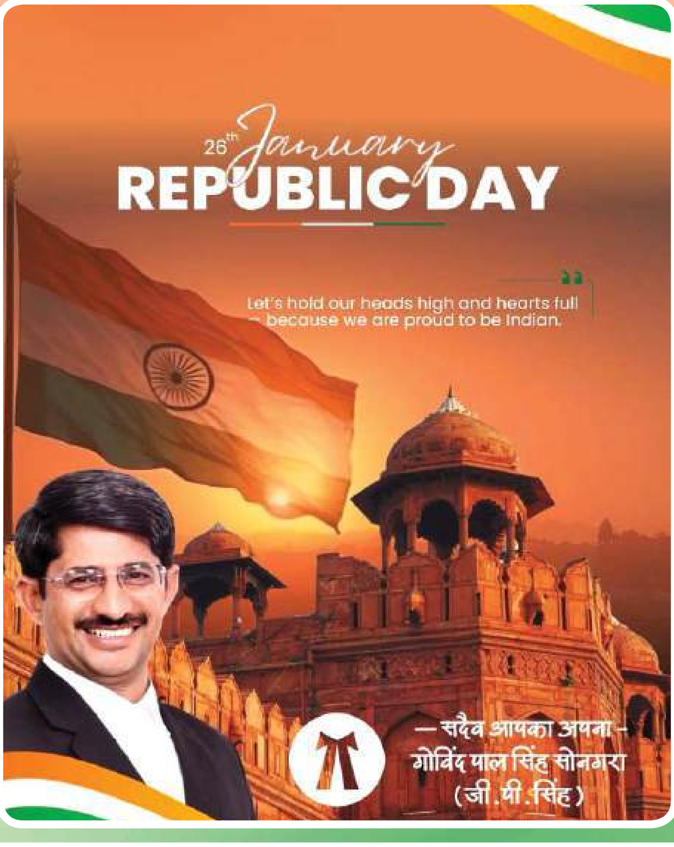

इंदौर जिले में खुशनुमा वातावरण में देशभक्ति के अपार उत्साह उमंग और जोश-जुनून के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

जिले के मुख्य समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने किया ध्वजारोहण

● आकर्षक परेड के साथ निकाली गई नयनाभिराम झांकियाँ, बच्चों ने प्रस्तुत किए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इन्दौर। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने आज इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में ध्वजारोहण किया। उन्होंने परेड की सलामी भी ली। इंदौर जिले में आज खुशनुमा वातावरण में देशभक्ति के अपार उत्साह और उमंग के साथ जोश और जुनून के वातावरण में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा नयनाभिराम झांकियां भी निकाली गयी। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गणतंत्र दिवस के संदेश का वाचन भी किया गया। स्कूली बच्चों ने रंगा-रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

अभूतपूर्व उत्साह के बीच 16 प्लाटूनों ने प्रस्तुत की आकर्षक परेड

गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान अभूतपूर्व उत्साह का माहौल था। समारोह में 16 प्लाटूनों ने गर्मजोशी से आकर्षक परेड प्रस्तुत की। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने ध्वजारोहण के पश्चात खुली जीप से परेड का निरीक्षण किया। परेड के पश्चात उन्होंने परेड कमाण्डरों से परिचय भी प्राप्त किया। इस दौरान पुलिस आयुक्त श्री संतोष सिंह तथा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा उनके साथ थे। परेड के दौरान सशस्त्र दलों द्वारा हर्ष फायर किये गये। समारोह में 16 दलों ने आकर्षक परेड प्रस्तुत की। समारोह में परेड का नेतृत्व परेड कमांडर सहायक पुलिस आयुक्त श्री कुन्दन मण्डलोई ने किया। उनका अनुकरण टूआईसी सुबेदार श्री राजू सांवले ने किया। इस अवसर पर आरएपीटीसी, फर्स्ट बटालियन, पंद्रहवी वाहिनी, जिला पुलिस बल (पुरुष), जिला पुलिस बल (महिला), होमगार्ड, यातायात पुलिस, एनसीसी एयरविंग, एनसीसी आर्म्ड, स्काउट, गाइड, स्टूडेंट पुलिस कैडेट, शौर्य दल तथा सृजन दल द्वारा आकर्षक परेड प्रस्तुत की गयी। इस अवसर पर प्रथम वाहिनी के बैंड ने देशभक्ति की धून से पूरे वातावरण को जोश और जुनून से ओतप्रोत कर दिया।

जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों पर आधारित निकाली गई नयनाभिराम झाँकियाँ

समारोह के दौरान विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा राज्य शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों पर आधारित नयनाभिराम झाँकियाँ निकाली गई। इनमें मुख्य रूप से खजराना गणेश मंदिर द्वारा संचालित आध्यात्मिक तथा धार्मिक और अन्य क्षेत्र संबंधी गतिविधियों पर आधारित झांकी, नगर निगम द्वारा स्वच्छ भारत मिशन और वेस्ट मटेरियल के आर्ट्स संबंधी, यातायात पुलिस द्वारा यातायात सुधार, शिक्षा विभाग द्वारा बुनियादी शिक्षा, कृषि विभाग द्वारा कृषि वर्ष, उद्यानिकी विभाग द्वारा उद्यानिकी को बढ़ावा देने, जिला पंचायत द्वारा लखपति दीदी और आत्मनिर्भर भारत, स्वास्थ्य विभाग द्वारा पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा, मेट्रो द्वारा ग्रीन मेट्रो परियोजना, उद्योग विभाग द्वारा स्टार्टअप पॉलिसी, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भिक्षावृत्ति मुक्त इंदौर, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान, वन विभाग द्वारा वनों का संरक्षण, इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर के विकास, एमपीआईडीसी द्वारा औद्योगिक विकास और केन्द्रीय जेल द्वारा जेल में चलायी जा रही रोजगारमूलक गतिविधियों पर आधारित झाँकी शामिल थी।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की हुयी प्रस्तुतियां

समारोह के दौरान इंदौर के दिल्ली पब्लिक स्कूल राऊ, शारदा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सन्मति विद्यालय और बाल विनय मंदिर के बच्चों ने देशभक्ति और लोक गीतों पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी। समारोह के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान भी किया गया। इन सभी स्कूलों को पुरस्कृत किया गया।

पुरस्कार

समारोह के दौरान उत्कृष्ट परेड प्रस्तुत करने पर प्लाटूनों को पुरस्कृत किया गया।

'अ' वर्ग में प्रथम पुरस्कार प्रथम वाहिनी तथा द्वितीय पुरस्कार आरएपीटीसी को दिया गया।

'ब' वर्ग में प्रथम पुरस्कार एनसीसी एयरविंग और द्वितीय पुरस्कार यातायात पुलिस को प्राप्त हुआ।

'स' वर्ग का प्रथम पुरस्कार प्रथम वाहिनी के बैंड को मिला।

इसी तरह झांकियों में प्रथम पुरस्कार नगर निगम को, द्वितीय पुरस्कार खजराना गणेश मंदिर को तथा तृतीय पुरस्कार जिला पंचायत को दिया गया। मुख्य समारोह में वर्षभर विभागीय कार्यों में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों, स्वयंसेवी संगठनों आदि को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। समारोह में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, विधायक महेन्द्र हार्डिया, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, आईजी श्री अनुराग, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित सिंह तथा राजेश सिंह सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि आदि मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बच्चों के साथ किया मध्यान्ह भोजन

बच्चों को स्कूली बैग भी किये वितरित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इन्दौर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने शासकीय विद्यालय मुसाखेड़ी में आयोजित विशेष मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम में बच्चों के साथ भोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि देश और प्रदेश का भविष्य इन्हीं बच्चों के हाथों में है। कार्यक्रम में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, महापौर परिषद के सदस्य श्री नंदकिशोर पहाड़िया सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण मौजूद थे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बच्चों को स्कूली बैग सहित अन्य पाठ्यसामग्री भी वितरित की।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री देवड़ा ने कहा कि 26 जनवरी के अवसर पर पूरे प्रदेश में बच्चों के साथ बैठकर मध्यान्ह भोजन करने का कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादायक है। इससे बच्चों में समानता, सहयोग और आत्मीयता की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। इस दौरान विद्यालय की भूमि से संबंधित एक समस्या पर संज्ञान लेते हुए उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि भोपाल जाकर संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि बच्चों को इसका पूरा लाभ मिल सके। अपने संबोधन में श्री देवड़ा ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने माता-पिता, शहर, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

हाईकोर्ट परिसर में हुआ ध्वजारोहण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इन्दौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खण्डपीठ में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के प्रशासनिक न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री विजय कुमार शुक्ला ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर खण्डपीठ के न्यायमूर्तिगण, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अभिभाषकगण तथा अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर ध्वजारोहण समारोह अत्यंत गरिमामय एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय इंदौर खण्डपीठ के प्रशासनिक न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री विजय कुमार शुक्ला ने राष्ट्रध्वज फहराया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का विधिवत शुभारंभ हुआ। समारोह के दौरान भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं को सजीव रूप में प्रस्तुत करते हुए परंपरागत आदिवासी नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियाँ दी गईं। इन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भारत की विविधता में एकता की भावना को दर्शाते हुए समारोह को विशेष आकर्षण प्रदान किया तथा उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने पूज्य पिता श्री एस.एम. संवत्सर की स्मृति में एक प्रतिभाशाली अधिवक्ता को हर वर्ष स्कॉलरशिप प्रदान करने के पुनीत कार्य के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति श्री सुभाष संवत्सर को न्यायमूर्ति श्री विजय कुमार शुक्ला ने शॉल श्रीफल एवं पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया।इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्री सुबोध अभ्यंकर, न्यायमूर्ति श्री प्रणय वर्मा, न्यायमूर्ति श्री मिलिंद रमेश फड़के, न्यायमूर्ति श्री संजीव एस कालगांवकर, न्यायमूर्ति श्री विनय सराफ, न्यायमूर्ति श्री बी के द्विवेदी, न्यायमूर्ति श्री गजेन्द्र सिंह, न्यायमूर्ति श्री पवन द्विवेदी, न्यायमूर्ति श्री जय कुमार पिल्लई, न्यायमूर्ति श्री हिमांशु जोशी, न्यायमूर्ति श्री आलोक अवस्थी सहित सेवानिवृत्त न्यायमूर्तिगण, वरिष्ठ अधिवक्तागण, राज्य अधिवक्ता संघ के सदस्यगण, प्रिंसिपल रजिस्ट्रार श्री अनूप कुमार त्रिपाठी, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री नीरज मालवीय,रजिस्ट्री अधिकारी एवं जिला न्यायालय के न्यायाधीशगण, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष व पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण, उच्च न्यायालय के अधिकारी व कर्मचारीगण एवं आमंत्रित अतिथिगण उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति, अनुशासन एवं गरिमा के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

विज्ञापनों और ख़बरों के लिए बड़ा धमाका!

अब अपने व्यापार, ईवेंट या जाहिर सूचना को पहुँचाएँ जन-जन तक।

सेवाएँ: समाचार, विज्ञापन, जाहिर सूचना और कानूनी नोटिस।

रेट: बाज़ार में सबसे कम (न्यूनतम दर)।

अपनी फाइल अभी भेजें और उचित स्थान पाएँ।

संपर्क:
मनीष धार्मिक
मो. 9770313335

संभागायुक्त कार्यालय में डॉ. सुदाम खाड़े ने किया ध्वजारोहण

इन्दौर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आज संभागायुक्त कार्यालय में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर संभागायुक्त कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारीगण मौजूद थे।

रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने के लिए कराया गया सर्वेक्षण

नीलगाय से फसल बचाने के लिए उठाया कदम, 50 से अधिक गांव हॉट स्पॉट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। किसानों की फसलों को नीलगाय से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए जिला प्रशासन ने वन विभाग को रेस्क्यू ऑपरेशन अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। इसके तहत वन विभाग ने अभियान शुरू करने से पहले उन इलाकों में सर्वे कराया, जहां नीलगाय का प्रकोप अधिक है।

वन विभाग की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, इंदौर जिले की सभी तहसीलों में करीब 50 गांव ऐसे हैं, जहां नीलगाय के कारण किसानों को हर साल भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इन गांवों को हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है।

देपालपुर, सांवेर, महू और मानपुर प्रमुख हॉट स्पॉट

वन विभाग के अनुसार देपालपुर, सांवेर, महू, मानपुर और इंदौर की दतौनी फायर रेंज क्षेत्र में नीलगाय के सबसे अधिक हॉटस्पॉट पाए गए हैं। इनमें अकेले देपालपुर तहसील के कई गांव शामिल हैं।

देपालपुर तहसील में शाहपुरा, नौगावा सर्फ, सुमठा, नान्द्रा, गंगाजलखेड़ी, अटाहेड़ा, सुनाला, कटकोदा, पितावली, गुडर, रुद्राख्या, खडोतिया, बान्याखेड़ी, उजालिया, खाडिया, बड़ोदिया,

मुरखेडा, नैवरी, चाटवाड़ा, अजन्दा और सुनावदा जैसे गांवों में नीलगाय का प्रकोप सबसे ज्यादा बताया गया है। इन गांवों के किसानों का कहना है कि जिसे प्रशासन नीलगाय कहता है, वह वास्तव में जंगली घोड़े जैसी प्रजाति है, जो फसलों को भारी नुकसान पहुंचाती है। किसानों ने प्रशासन और सरकार से बिना डर ठोस कार्रवाई की मांग की है।

वन विभाग का दावा- सर्वे के आधार पर कार्रवाई

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभागीय कर्मचारियों के माध्यम से नीलगाय से प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत सर्वे कराया गया। सर्वे रिपोर्ट में सांवेर, देपालपुर, दतौनी फायर रेंज, महू फॉरेस्ट रेंज और मानपुर फॉरेस्ट रेंज को प्रमुख हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है।

हर साल 30 प्रतिशत तक फसल नुकसान

सांवेर के मुरादपुर गांव के किसान एवं भाजपा किसान मोर्चा के जिला मंत्री अरविंद सिंह राठौर ने बताया कि अकेले मुरादपुर ही नहीं, बल्कि आसपास के कई गांवों में नीलगाय हर साल फसलें चट कर जाती है। इससे किसानों को करीब 30 प्रतिशत तक फसल नुकसान उठाना पड़ता है।उन्होंने बताया कि किसान इस समस्या को लेकर तहसील से लेकर सांसद और जिला प्रशासन तक कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

देपालपुर में सबसे ज्यादा असर

देपालपुर तहसील के शाहपुरा गांव के किसान लाखन सिंह गहलोत ने बताया कि देपालपुर तहसील के करीब 20 गांवों में नीलगाय का सबसे अधिक कहर है। उन्होंने कहा कि पटवारी से लेकर विधायक, मंत्री और सांसद तक को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन किसानों को अब तक इस संकट से राहत नहीं मिल पाई है।

घर में घुसकर दोस्त के भाई की हत्या

● आरोपी ने युवती के परिजनों को धमकाया, चाकू मारे, खुद को भी किया घायल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर के एरोड्रम थाना क्षेत्र स्थित 60 फीट रोड पर सोमवार को सनसनीखेज वारदात हुई। एक युवक ने घर में घुसकर अपनी दोस्त के परिजनों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवती के भाई की मौत हो गई, जबकि युवती और उसकी मां घायल हो गईं।

पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक वेदांत सोलंकी, युवती विधि लखावत का दोस्त है। किसी बात को लेकर विवाद के बाद वह विधि के घर पहुंचा और अंदर घुसकर विधि, उसकी मां अनीता और भाई वेदांश पर चाकू से वार किए। गंभीर रूप से घायल वेदांश की अरबिंदो अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी ने खुद को भी चाकू मार लिया। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही टीआई तरुण भाटी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने घटना के दौरान परिजनों को धमकाया भी था। पूरे मामले की जांच की जा रही है। आरोपी वेदांत इंदौर के बिजासन रोड का रहने वाला है। उसके माता-पिता नहीं है। वह चाचा-चाची के साथ रहता था।

युवती के परिजन ने की थी शिकायत

5 से 6 दिन पहले युवती को परेशान करने की शिकायत लेकर उसके परिजन थाने भी पहुंचे थे। तब पुलिस ने आरोपी को समझाइश दे दी थी। लेकिन, सोमवार रात करीब 10 बजे आरोपी युवती के घर पहुंच गया। उसने विधि पर हमला कर दिया। इस दौरान उसका भाई बीच में आ गया।

इधर, गाड़ी टकराने के विवाद में युवक की हत्या

इंदौर में एक और हत्या का मामला सामने आया है। सोमवार देर रात गाड़ी टकराने के विवाद में एक व्यक्ति शुभम पैलेस कॉलोनी निवासी संजय सिंह रावत की हत्या कर दी गई है। जबकि उसका भाई, भांजा व एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ है।

खजराना उर्स का भव्य और ऐतिहासिक समापन, शानदार इंतजामों ने रचा नया कीर्तिमान

समन्वित कार्यशैली के चलते पूरे उर्स में रहा आस्था, अनुशासन और भाईचारे का अद्भुत संगम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। खजराना स्थित विश्वप्रसिद्ध दरगाह सैयद नूरुद्दीन नाहर शाह वली सरकार का 77वां उर्स इस वर्ष ऐतिहासिक, सुव्यवस्थित और यादगार आयोजन के रूप में संपन्न हुआ। उर्स का रंग की महफिल के साथ उर्स का विधिवत समापन हुआ। खजराना दरगाह ग्राउंड में आयोजित इस भव्य उर्स में देश-विदेश से आए हजारों अकीदतमंदों ने शिरकत कर रूहानी सुकून और भाईचारे की मिसाल कायम की।

इस सफल आयोजन के पीछे दरगाह सदर डॉ. रिजवान पटेल और जिला वक्फ बोर्ड अध्यक्ष रेहान शेख का कुशल नेतृत्व, सतत निगरानी और दूरदर्शी सोच प्रमुख रूप से देखने को मिली। दोनों पदाधिकारियों की समन्वित कार्यशैली के चलते पूरा उर्स पूरी तरह अनुशासित, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रहा।

ओपन मंच पर भव्य आयोजन बना ऐतिहासिक पहचान- उर्स केदौरान आयोजित कव्वाली महफिल उर्स का विशेष आकर्षण रही। प्रसिद्ध हमसर हयात कव्वाल पार्टी ने एक से बढ़कर एक सूफियाना कलाम पेश कर माहौल को रूहानियत से सराबोर कर दिया। खास तौर पर 'किस्मत का सिकंदर हूं, मुकद्दर का धनी हूं, मैं पंचदनी हूं' कलाम पर अकीदतमंद झूम उठे। इस वर्ष पहली बार ओपन मंच पर भव्य आयोजन, आकर्षक डेकोरेशन और आधुनिक लाइटिंग व्यवस्था ने उर्स के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया, जिसकी हर ओर सराहना की गई।

धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सरोकारों का भी संदेश- डॉ. रिजवान पटेल और रेहान शेख ने उर्स को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए शिक्षा, सामाजिक एकता और इंसानियत के संदेश से जोड़ा। उनकी सोच और मार्गदर्शन में उर्स के दौरान सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

देश-विदेश से आए मेहमानों और अकीदतमंदों के लिए फ्री लंगर की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई, जिसने सभी का दिल जीत लिया।

बेहतर सुरक्षा व्यवस्था बनी अनुशासन की मिसाल- पूरे उर्स के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी बेहद सराहनीय रही। खजराना थाना प्रभारी, पुलिस प्रशासन और नगर सुरक्षा समिति ने आधुनिक तकनीक और समन्वय के साथ शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित किया। रविवार सुबह 8 से 11 बजे तक रंग की महफिल में देश में अमन-चैन, खुशहाली और भाईचारे के लिए विशेष दुआएं की गईं।

आयोजन को मिली सर्वत्र सराहना- समापन अवसर पर डॉ. रिजवान पटेल और रेहान शेख ने पुलिस प्रशासन, सुरक्षा समिति, जनप्रतिनिधियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए इस ऐतिहासिक और कामयाब उर्स के लिए सभी को मुबारकबाद दी। कुल मिलाकर, खजराना उर्स 2026 बेहतर प्रबंधन, अनुशासन और रूहानियत का ऐसा उदाहरण बना, जो आने वाले वर्षों तक याद रखा जाएगा।

गणतंत्र दिवस समारोह में परेड की ली सलामी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिप्रा के तट पर उज्जैन में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

उज्जैन में होगा प्रदेश का दसवां एयरपोर्ट और उज्जैन को मिलेगी मेडिसिटी की पहचान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। प्रदेश में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के कार्तिक मेला ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और लोकतंत्र रक्षकों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत और सिंहस्थ पर केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां भी हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों, समारोह में प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विभागीय झांकियों को पुरस्कृत भी किया। समारोह में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद श्री बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, विभिन्न धर्मों के धर्मगुरू, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

तीन रंग के गुब्बारे छोड़ कर दिया राष्ट्रभक्ति और जनसेवा का संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्तिक मेला मैदान स्थित शिप्रा तट सुनहरी घाट पर तिरंगा कलर के गुब्बारे खुले आकाश में छोड़ कर राष्ट्रभक्ति और जनसेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर मां शिप्रा में 40 से अधिक तिरंगे रंग से सरावोर नाव पर तिरंगा ध्वज लिए होमगार्ड, एसडीईआरएफ के जवान उपस्थित होकर देश भक्ति के गीत गा रहे थे। घाट पर तिरंगे की थीम पर साज-सज्जा की गई साथ ही घाट पर जनजातीय भील कलाकारों द्वारा भगोरिया नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गणतंत्र दिवस के मंगल अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी और प्रदेश की जनता के नाम संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज राष्ट्र के जन-गण-मन में देशभक्ति और देश के लिए गर्व का भाव सशक्त हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व-गुण के फलस्वरूप संपूर्ण विश्व में भारत की गरिमा बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत माता की आजादी के लिए हँसते-हँसते सूली चढ़ने वाले अमर शहीदों के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2028 में सिंहस्थ का आयोजन उज्जैन में होना है। इस भव्य-दिव्य आयोजन के उपलक्ष में ही गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम पावन शिप्रा के किनारे आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर उज्जैन के कार्तिक मेला ग्राउंड पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्साह और उमंग से भरे वातावरण में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने परेड की सलामी ली। इस मौके पर विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा आकर्षक एवं नयनाभिराम झांकियां भी निकाली गईं तथा स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' के लिए 10 बहुउद्देशीय गतिविधियों को किया गया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के विकास के लिए आह्वान किया है। मध्यप्रदेश सरकार संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। ज्ञान के मंत्र की सिद्धि की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने 4 मिशन, युवा शक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण और नारी सशक्तिकरण प्रारंभ किए हैं। हमारे देश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। खेती किसानी करने वाले भाईयों के जीवन में मुस्कान लाने के लिए बहुआयामी प्रयास किए गए। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2002-03 में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र का बजट 600 करोड़ रुपये था, जिसे वर्ष 2024-25 में बढ़ाकर 27 हजार 50 करोड़ से अधिक किया गया। 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' की दिशा में प्रदेश में 10 बहुउद्देशीय गतिविधियों को शामिल किया गया है। किसानों को समृद्ध बनाने के लिए मुख्य फसलों के साथ उद्यानिकी फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। हमारा प्रदेश आने वाले समय में देश की दुग्ध राजधानी बनेगा। इस वित्त वर्ष में गौशालाओं के लिए बजट प्रावधान 250 से बढ़ाकर 505 करोड़ किया गया है। प्रदेश में लगभग 3 हजार गौशालाएँ पौने पाँच लाख गौमाताओं की देखभाल का दायित्व निभा रहीं हैं। मछली उत्पादन के बेहतर प्रबंधन से प्रदेश को विशेष श्रेणी में उत्कृष्ट पुरस्कार मिला। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों से 2 हजार 600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया गया। किसानों को 1 हजार 360 करोड़ रुपये की बोनस राशि का भुगतान किया गया है। सोयाबीन उत्पादक किसानों को भावान्तर योजना का लाभ दिलवाया गया। सात लाख से अधिक किसानों को करीब 1300 करोड़ रुपये की भावांतर राशि का भुगतान किया गया है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में महत्वपूर्ण रही मध्यप्रदेश की भागीदारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन विश्वास अधिनियम 2024 एवं 2025 के माध्यम से अनेक कानूनों के प्रावधान सरल किए गए हैं और अनावश्यक नियमों को हटाया गया है। इससे उद्योगों के विकास को नई दिशा मिली है। प्रदेश में वर्ष 2025 उद्योग और रोजगार वर्ष के रूप में मनाया गया। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आए निवेश प्रस्तावों में से एक तिहाई जमीन पर उतारे जा चुके हैं। यूके, जर्मनी, जापान, स्पेन और दुबई के उद्यमियों से प्राप्त प्रस्तावों से विभिन्न क्षेत्रों में निवेश और रोजगार की संभावनाएँ साकार करने की ओर हम अग्रसर हैं। हाल ही में स्विट्जरलैंड में हुई वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में मध्यप्रदेश की भागीदारी भी महत्वपूर्ण रही। उद्योग संवर्धन नीति में वर्ष 2025-26 में 1 हजार 522 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्रदान की गई है। मध्यप्रदेश के उद्योग क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि धार जिले में पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखे जाने से जुड़ी है। उद्योग और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2025 में ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से 1 हजार 92 औद्योगिक भूखंड उपलब्ध करवाए गए। उद्योगों के समग्र विकास के लिए वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति और औद्योगिक भूमि एवं भवन आवंटन व प्रबंधन नियम लागू किए गए हैं। सिंगल विंडो सिस्टम से अब तक 2 हजार 300 से अधिक औद्योगिक इकाइयों को 742 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्रदान की गई। उद्योग हमारे लिए मंदिरों के समान हैं, जो रोजगार रूपी आशीर्वाद देते हैं।

प्रदेश में नशे के विरूद्ध चलाया जा रहा है जन-जागरूकता अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का आह्वान किया है। मध्यप्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत बनाते हुए अपराधिक तत्वों पर नियंत्रण को प्राथमिकता दी गई है। मध्यप्रदेश में केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित समय के पहले नक्सल उन्मूलन का कार्य किया गया है। प्रदेश में नशे के विरूद्ध जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जापान सहित अन्य देशों में हमारे युवा अपनी प्रतिभा से हो रहे हैं स्थापित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गरीबों को सिर पर छत उपलब्ध करवाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना में गत वर्ष 11 लाख से अधिक आवास मंजूर किए गए। इनमें से 4 लाख से अधिक आवास बनकर तैयार हो गए हैं। मुख्यमंत्री मजरा-टोला योजना के माध्यम से 20 हजार से अधिक बसाहटों तक सड़क की सुविधा ले जाने का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। इस कार्य के लिए 21 हजार करोड़ से अधिक राशि की मंजूरी दी गई है। मध्यप्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण का कार्य निरंतर चल रहा है। गत दो वर्ष में 50 लाख विद्यार्थियों को सवा 2 हजार करोड़ रुपये की राशि छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की गई है। अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थी आईआईएम, आईआईटी, एनआईटी और एनएलआईयू जैसी संस्थाओं में अध्ययन कर रहे हैं। सरकार ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए विदेश भेजने और उसके लिए फीस की व्यवस्था करने का कार्य भी किया है। प्रदेश में जनजातीय वर्ग के कक्षा 11वीं और 12वीं के 2 लाख विद्यार्थी छात्रवृत्ति योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। प्रदेश में 63 एकलव्य आदर्श विद्यालयों का लाभ 25 हजार से अधिक विद्यार्थियों को मिल रहा है। अन्य पिछड़े वर्ग के 21 युवाओं को रोजगार के लिए विदेश में भी नियोजित किया गया है। जापान और अन्य देशों में हमारे युवा अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

प्रदेश के 30 लाख विद्युत पम्प को सोलर पंप में परिवर्तित कराने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश विद्युत के क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर हो गया है। प्रदेश में गैर कृषि उपभोक्ताओं को 24 घंटे एवं कृषि उपभोक्ताओं को लगभग 10 घंटे प्रतिदिन विद्युत प्रदाय की जा रही है। प्रदेश में वर्ष 2012 में नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 491 मेगावाट थी जो अब बढ़कर 9 हजार 508 मेगावाट हो चुकी है। मुरैना में प्रदेश की पहली ऊर्जा भंडारण परियोजना शुरू हो रही है जिसकी विश्व बैंक ने भी प्रशंसा की है। प्रदेश में 30 लाख विद्युत पम्प को सोलर पंप में परिवर्तित कराने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी(एक) में मध्यप्रदेश देश में पूर्ण आवासों के आधार पर प्रथम 3 सर्वश्रेष्ठ राज्यों में शामिल है। स्वीकृत साढ़े 9 लाख आवासों में से 8 लाख 77 हजार आवास पूर्ण हो गए हैं। इन्दौर और भोपाल मेट्रोपोलिटिन क्षेत्र के रूप में विकसित होंगे। द्वितीय चरण में जबलपुर और ग्वालियर भी मेट्रोपोलिटिन क्षेत्र बनेंगे। मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जहाँ एक ही साल के अंदर दो प्रमुख शहरों इंदौर और भोपाल में मेट्रो रेल सेवा शुरू हुई। प्रदेश में लोक परिसम्पत्ति के प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। इस क्रम में नागपुर में बस डिपो को मध्यप्रदेश के नाम करने और नर्मदापुरम, सीधी, सीहोर और मुरैना के तिलहन संघ संयंत्रों की भूमि उद्योगों को उपलब्ध करवाने का कार्य किया गया। राज्य के इस प्रकार के संसाधनों का उपयोग प्रदेश के विकास में किया जा रहा है।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में जबलपुर, देवास और इंदौर को भारत सरकार ने किया पुरस्कृत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर घर नल से जल के लिए जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 81 लाख से अधिक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। प्रदेश के 22 हजार से अधिक ग्रामों में सभी घरों में नल कनेक्शन दिए गए हैं। जल दर्पण जैसे डिजिटल प्लेटफार्म और आधुनिक लैब से जल गुणवत्ता निगरानी को सशक्त बनाने का नवाचार प्रदेश में हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वाहन और सारथी पोर्टल के माध्यम से परिवहन सेवाओं को सरल और ऑनलाइन बनाया गया है। प्रदेश में जल्द ही शासकीय बसों का संचालन आरंभ होगा। ग्राम स्तर तक उपलब्ध होने वाली इस बस सेवा से सभी वर्गों को लाभ होगा। रजिस्ट्रेशन, परमिट, लाइसेंस और अस्थायी परमिट डिजिटल रूप से जारी हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड से संग्रहित 337 टन अपशिष्ट का सफलतापूर्वक निष्पादन कर वर्षों से बंद पड़ी फैक्ट्री के परिसर का उन्होंने बिना मास्क के अवलोकन किया गया। इस अनुपयोगी भूमि पर गैस त्रासदी में दिवंगत नागरिकों की स्मृति में स्मारक का निर्माण किया जाएगा। भविष्य में इस प्रकार की त्रासदी न हो इसके लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में जबलपुर, देवास और इंदौर को भारत सरकार ने पुरस्कृत किया।

संपादकीय

दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्र की ओर भारत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आज बहुत पछताएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि चार साल में 18 दौर-की बातचीत के बाद भारत और यूरोपियन यूनियन (EU) में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) का रास्ता साफ हो गया है। आज (27 जनवरी) इसका ऐलान होगा। इस समझौते से भारत के टेक्सटाइल्स, लेदर एंड फुटवियर, जेम्स एंड जूलरी, केमिकल्स और समुद्री उत्पादों जैसी चीजों पर यूरोपियन यूनियन में लगने वाले इंपोर्ट ड्यूटी में राहत मिलेगी। कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने कहा, डील फाइनल हो गई है। भारत के लिहाज से समझौता संतुलित है। औपचारिकताओं के बाद अगले साल के शुरू में डील लागू हो जाएगी। अभी भारतीय निर्यात पर EU का टैरिफ औसतन 3.8% है, लेकिन समुद्री उत्पादों पर 26%, लेदर गुड्स पर 17% है। EU से आने वाली चीजों पर भारत का टैरिफ औसतन 9.3% है। गाड़ियों पर 35.5%, प्लास्टिक्स पर 10.4%, दवाओं पर 9.9% है। इस FTA में यूरोपियन यूनियन के कड़े पर्यावरण नियमों का मसला अहम था। यह अभी पूरी तरह नहीं सुलझा है। EU यह भी चाहता था कि भारत उसकी कारों के इंपोर्ट में टैक्स छूट दे। वहीं, भारत के लिए कृषि और डेयरी सेक्टर अहम है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के संवेदनशील पहलुओं का ध्यान रखा है। किसी सेक्टर में एक पक्ष को ज्यादा छूट मिली, तो दूसरे को किसी और सेक्टर में भरपाई की गई है। 2024-25 में दोनों का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 बिलियन डॉलर का था। इसमें भारत से 75.85 बिलियन डॉलर का एक्सपोर्ट हुआ था। इस एफटीए में यूरोपियन यूनियन के कड़े पर्यावरण नियमों का मसला अहम था। यह अभी पूरी तरह नहीं सुलझा है। EU यह भी चाहता था कि भारत उसकी कारों के आयात में टैक्स छूट दे। वहीं, भारत के लिए एग्री और डेयरी सेक्टर अहम हैं। सूत्रों के मुताबिक, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के संवेदनशील पहलुओं का ध्यान रखा है और किसी सेक्टर में एक पक्ष को ज्यादा छूट मिली है, तो दूसरे पक्ष को किसी दूसरे सेक्टर में उसकी भरपाई की गई है। एफटीए के दायरे में दोनों पक्षों के करीब 1.9 अरब लोगों का बाजार है। एक तरह से यह चीन और आसियान के 10 देशों के FTA से भी बड़ा व्यापार समझौता है। जहां चीन-आसियान FTA में आसियान एक कस्टम्स इकाई के रूप नहीं है। वहीं, EU के सिंगल कस्टम्स यूनिट होने से भारत-EU FTA सबसे बड़ा द्विपक्षीय समझौता होगा।

Beauty

बेदाग मेकअप का ये है रहस्य

जानें आईली और ड्राय स्कीन के लिए कौनसा ब्लश है सबसे परफेक्ट

हर एक लड़की मेकअप करना बेहद पसंद होता है। खासतौर पर परफेक्ट मेकअप लुक पाने के लिए महिलाएं क्या-क्या नहीं करती हैं। क्योंकि हर किसी की चाहत होती है एक परफेक्ट मेकअप लुक पाने की। कई महिलाओं मेकअप के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी खरीदती हैं। कुछ तो पार्लर जाकर खूबसूरत मेकअप लुक ट्राई करती हैं। आमतौर पर कई ऐसी महिलाएं भी हैं, जो घर पर ही मेकअप करती हैं। अक्सर होता है कि उनको नहीं पता होता है कि स्किन के हिसाब से कौन-सा ब्लश लगाना सही होता है। अगर आप भी चाहतीं है फ्लोलेस मेकअप तो जान लीजिए स्किन टोने के हिसाब से कौन-सा ब्लश करना जरुरी होता है।

● ड्राई स्किन वालों के लिए बेस्ट है लिक्विड ब्लश

यदि आपकी स्किन ड्राई है, तो लिक्विड ब्लश आपके लिए सबसे बढ़िया है। इससे हमारी स्किन ड्राई नहीं होगी यह नॉर्मल से कॉम्बिनेशन स्किन पर भी ये अच्छा लगता है। ये फाइन लाइंस में नहीं जाता है और इसमें हमारा चेहरा भी सॉफ्ट दिखता है। अगर आपकी स्किन बहुत ही ज्यादा ऑयली है तो लिक्विड ब्लश से बचें, क्योंकि यह आपकी स्किन पर फैल सकता है।

● पाउडर ब्लश कब लगाएं ?

जो लोग अपना मेकअप लंबे समय तक रखना चाहते हैं, उनके लिए पाउडर ब्लश सबसे बेहतरीन है। क्योंकि यह चेहरे का एक्स्ट्रा ऑयल कंट्रोल करने में मदद करता है, इसलिए ऑयली और कॉम्बिनेशन स्किन वालों के लिए यह ज्यादा बेहतर है।

● ऑयली स्किन वालों के लिए पाउडर ब्लश

यदि आप चाहती हैं कि लॉन्ग लास्टिंग मेकअप तो आपके लिए पाउडर ब्लश एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। इसे लगाने से चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल हट सकता है। इसी कारण से ये ऑयली स्किन वालों के लिए सबसे बेस्ट होता है। यदि आपको पार्टी, शादी या आउटडोर फंक्शन के लिए जाना है, तो पाउडर ब्लश आपके लिए सही रहेगा।

● लंबे समय तक टिका रहता है पाउडर ब्लश

पाउडर ब्लश लंबे समय तक टिका रहता है यह जल्दी खराब भी नहीं होता है। इस बात का ध्यान रखें कि आपकी स्किन ज्यादा ही ड्राई है, तो पाउडर ब्लश लगाने से पहले अच्छे से स्किन को मॉइस्चराइज करना न भूलें। यदि आपकी स्किन ड्राई या नॉर्मल है, तो लिक्विड ब्लश का इस्तेमाल करें। वहीं,स्किन ऑयली है या आपको मैट और लॉन्ग-लास्टिंग फिनिश चाहिए, तो पाउडर ब्लश चुन सकती हैं।

New Delhi

चीन-पाकिस्तान सीमाओं की निगरानी के लिए सेना का खास प्लान, बनाए जा रहे एयर कमांड सेंटर

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारतीय सेना ने चीन और पाकिस्तान की सीमाओं के साथ कम-ऊंचाई वाले वायु क्षेत्र की निगरानी करने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। सेना 35 किलोमीटर की भूमि दूरी और 3 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरने वाली सभी वस्तुओं, खासकर दुश्मन ड्रोनों की निगरानी करने की क्षमता विकसित कर रही है। यह पहल मुख्य रूप से ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुई, जिसमें पाकिस्तान ने तुर्की और चीनी सशस्त्र ड्रोनों का इस्तेमाल कर भारतीय सेना और वायुसेना के ठिकानों पर हमले किए थे। सीमाओं पर एयर कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं, जो न केवल ड्रोन

गतिविधियों की निगरानी करेंगे, बल्कि दुश्मन ड्रोनों को लॉन्च और न्यूट्रलाइज करने में भी सक्षम होंगे। वर्तमान में सेना 97% ड्रोन और एंटी-ड्रोन गतिविधियों को इसी 35x3 किमी दायरे में संभाल रही है।

इस प्लान के तहत पश्चिमी थिएटर में 10,000 ड्रोनों के संचालन की क्षमता विकसित की जा रही है, जबकि लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) के 3,488 किमी क्षेत्र में 20,000 से अधिक ड्रोनों की तैनाती की योजना है। सेना ने दो रॉकेट फोर्स यूनिट, दो रुद्र ब्रिगेड और 21 भैरव बटालियन तैनात की हैं। भारतीय तोपखाने की रेंज 150 किमी से बढ़ाकर 1,000 किमी तक कर दी गई है। क्षेत्रीय कोर कमांडर भारतीय वायुसेना के कमांडरों के साथ समन्वय कर रहे हैं।

New Delhi

महाकाल के दर्शन कर लौट रहे थे पांच लोग, एक्सप्रेसवे पर चार की मौत, ट्रक ने 4KM तक घसीटा

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक कार और अज्ञात वाहन में जोरदार भिड़ंत हो गई. इस हादसे में चार लोगों की मौत की जानकारी सामने आ रही है. पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी लोग महाकाल के दर्शन कर उज्जैन से नोएडा लौट रहे थे. ये हादसा एक्सप्रेसवे के चेनेज नंबर 194 के समीप हुआ, जो पापड़दा और नांगल राजावतान थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है.

पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला है कि हरियाणा नंबर की कार में पांच लोग सवार थे. ये सभी लोग उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर नोएडा लौट रहे थे, इसी दौरान तेज रफ्तार कार एक अज्ञात वाहन से टकरा गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. घायल एकमात्र बचे युवक ने पुलिस को बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक ने कार को कई किलोमीटर तक घसीटता हुआ ले गया, जिससे स्थिति और भयानक हो गई.

हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पापड़दा और नांगल राजावतान थाना पुलिस ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है. मृतकों की पहचान अभी तक आधिकारिक रूप से नहीं हुई है, लेकिन वे हरियाणा के निवासी बताए जा रहे हैं. शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है.

Paschim Bangal

दक्षिण 24 परगना में 2 गोदामों में लगी भीषण आग, 8 लोगों की मौत, कई लापता

कोलकाता, (एजेंसी) पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में दो पास-पास की गोदामों में आग लगने से करीब आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हो गए. एजेंसी के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि कोलकाता के बाहरी इलाके में, नरेंद्रपुर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंदर नजीराबाद इलाके में दो यूनिटों में लगी आग पर सात घंटे की मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया.

एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि पास के गोदामों में तलाशी अभियान के दौरान शाम करीब 5 बजे तीन बुरी तरह जले हुए शव बरामद किए गए, जबकि बाद में पांच और शव मिले.

बारुईपुर पुलिस जिले के SP शुभेंदु कुमार ने कहा कि आठ मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है क्योंकि शव बुरी तरह जल गए थे. उन्होंने कहा, 'आग में और लोग फंसे थे या नहीं, यह तभी पता चलेगा जब मलबा पूरी तरह हटा दिया जाएगा और फायर ब्रिगेड आग की सभी जगहों को पूरी तरह बुझा देगी.'

Himachal Pradesh

बर्फबारी से हिमाचल में 1200 सड़कें ब्लॉक, कोल्ड वेव का अलर्ट... हिला टूरिज्म सेक्टर

शिमला, (एजेंसी) हिमाचल प्रदेश में सोमवार को भारी बर्फबारी और बारिश की वजह से राज्य भर में 1,250 से अधिक सड़कें बंद हो गईं. देश के अलग-अलग इलाकों से टूरिस्ट शिमला पहुंचे थे बर्फ देखने लेकिन अब मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. हिमाचल की वादियों में मौज लेने गए लोग सड़क जाम होने की वजह से फंस गए हैं. लोक निर्माण विभाग (PWD) के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने सड़कों को बहाल करने के लिए करीब 3,500 मशीनें और जेसीबी तैनात की हैं. लाहुल और स्पीति के ताबो गांव में तापमान शून्य से 10.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया. मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए कुल्लू, किन्नौर, चंबा और लाहुल-स्पीति में भारी बर्फबारी का 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है. शिमला, सोलन और कांगड़ा सहित अन्य जिलों में बिजली

और तेज हवाओं के साथ 'येलो अलर्ट' प्रभावी है. पर्यटकों को भारी ट्रैफिक जाम और पानी की किल्लत जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. हालांकि, सरकार इस बर्फबारी को फसलों और जल स्रोतों के पुनर्भरण के लिए फायदेमंद मान रही है. प्रशासन ने पर्यटकों से जिम्मेदारी से यात्रा करने और मौसम की चेतावनियों का पालन करने की अपील की है.

खेल

आई.एस. बिंद्रा के निधन से क्रिकेट जगत में शोक, बीसीसीआई समेत इन दिग्गजों ने जताया दुख

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बिंद्रा का रविवार को निधन हो गया। इस पर सोमवार को बीसीसीआई और हरभजन सिंह जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने दुख जताया। बीसीसीआई ने बिंद्रा को एक दूरदर्शी प्रशासक और भारतीय क्रिकेट का सबसे कुशल वास्तुकार करार दिया।

बिंद्रा 1993 से 1996 तक बीसीसीआई के अध्यक्ष रहे थे। उनका रविवार को यहां निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा, 'आईएस बिंद्रा दूरदर्शी प्रशासक थे, जिनके नेतृत्व ने विश्व क्रिकेट में भारत की भूमिका को फिर से परिभाषित करने में मदद की।' उन्होंने कहा, 'प्रशासन के अलावा भी उनका योगदान कहीं अधिक था। उन्होंने ऐसी प्रणालियों और संस्थानों के

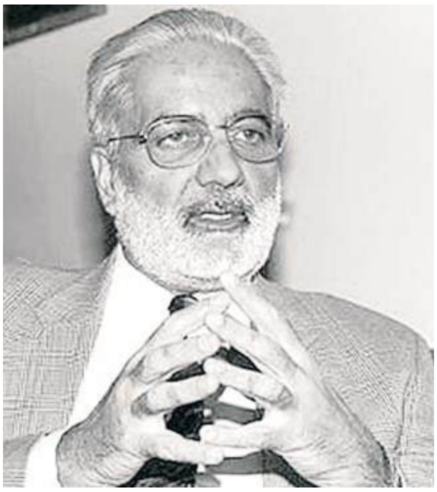

निर्माण में मदद की जो आज भी खिलाड़ियों, प्रशासकों और स्वयं खेल की सेवा कर रहे हैं। बीसीसीआई भारतीय क्रिकेट प्रशासन के सच्चे दिग्गज के निधन पर शोक व्यक्त करता है।'

बिंद्रा ने बीसीसीआई अध्यक्ष के अपने कार्यकाल के दौरान क्रिकेट जगत में भारत की स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 1978 से 2014 तक पंजाब क्रिकेट संघ के अध्यक्ष भी रहे। मोहाली स्थित पीसीए स्टेडियम का नाम 2015 में उनके सम्मान में आईएस बिंद्रा स्टेडियम कर दिया गया था। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट ने अपने सबसे प्रभावशाली वास्तुकारों में से एक को खो दिया है। बिंद्रा की खेल के प्रति प्रतिबद्धता, उनकी प्रशासनिक दूरदर्शिता और स्थायी बुनियादी ढांचे के निर्माण के प्रति उनके जुनून ने एक ऐसी विरासत छोड़ी है जिसे क्रिकेट जगत में पूरे सम्मान के साथ याद किया जाएगा।' बिंद्रा ने पूर्व अध्यक्ष एनकेपी साल्वे और जगमोहन डालमिया के साथ मिलकर भारत को 1987 में वनडे विश्व कप की मेजबानी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह पहला अवसर था जबकि वनडे विश्व कप इंग्लैंड से बाहर आयोजित किया गया था।

सिनेमा

'ये मुल्क है हमारा, शांति से रहो', AR रहमान के 'सांप्रदायिक' बयान पर वहीदा रहमान का जवाब- इस उम्र में...

म्यूजिक कंपोजर ए आर रहमान कम्युनल बायसनेस पर दिए बयान के बाद से विवादों में घिरे हुए हैं. रहमान ने हाल ही में कहा कि उन्हें बीते कुछ सालों से काम मिलना बंद हो गया है. इसकी वजह उन्होंने इंडस्ट्री में 'सांप्रदायिक भेदभाव' को बताया. रहमान के इस बयान पर बहस छिड़ी हुई है. कईयों ने रहमान के इस बयान पर आपत्ति जताई तो कई लोगों ने उन्हें सपोर्ट भी किया. अब दिग्गज एक्ट्रेस वहीदा रहमान ने ए आर रहमान के बयान पर अपनी राय दी है. स्क्रीन संग इंटरव्यू के दौरान वहीदा रहमान से ए आर रहमान के बयान को लेकर सवाल किया गया. इसपर उन्होंने कहा- हां, मैंने इस बारे में पढ़ा है. लेकिन मैं इसकी गहराई में नहीं जाना चाहती. जब सबकुछ ठीक चल रहा है तो मैं इसपर ज्यादा ध्यान देना जरूरी नहीं समझती. हर देश में ऐसी छोटी-मोटी चीजें होती रहती हैं. वहीदा रहमान आगे बोलीं- किसपर भरोसा करें और कितना करें. अगर ये सच है या नहीं भी है, तो हमें इसमें क्यों इन्वॉल्व होना है? कम से कम मेरी इस उम्र में, मैं किसी भी चीज में इन्वॉल्व नहीं होना चाहती. अपनी शांति से रहो, ये मुल्क है हमारा. बस खुश रहो. मैं बस इतना ही कह सकती हूं. वहीदा रहमान ने आगे ये भी कहा कि हो सकता है कि शायद रहमान को उतना काम नहीं मिल रहा हो, जिसकी वजह से उन्होंने ऐसा बयान दिया है.

Highlights

1. What is known about the IAS officer who planned India's first R-Day Parade?
2. How man who killed professor in Mumbai was arrested?
3. Congress makes 'gomutra' comment at IIT-M Director & Padma Shri awardee Kamakoti, sparks row
4. EU, India believe in trade pact than tariffs: António Costa on FTA
5. Rahul Gandhi refused to wear North-Eastern patka despite Prez Murmu's request: BJP

VW to BMW brace for tough India market even after India-EU trade deal

NEW DEIHI, (Agency). European carmakers, squeezed by US tariffs and price wars in China, will get a welcome boost from an India-EU trade deal that sharply drops import duty on cars, but face a tough market dominated by homegrown firms and compact Japanese cars.

India and the European Union are set to sign a trade deal today, which includes a clause to cuty import duty on European cars to 40% from as high as 110%. The move is seen as the biggest opening yet of the world's third largest car market for the likes of Volkswagen to Renault and BMW.

The move, however, only edges the door open, analysts said, with local car brands and Asian rivals from Japan and South Korea dominating the market.

"It's a start. When we talk about exports from Europe, it's only about premium cars.

For the volume sector it is difficult," said Stefan Bratzel of German auto research group CAM, who said Suzuki and Hyundai had understood the Indian market better. "In India it's about cheap, reliable, stable cars. The Volkswagen Group cars have been too expensive. Suzuki has benefited from the kei cars which are highly popular in Japan."

With a modest production footprint and annual sales still in tens of thousands of cars, European brands have huge room to expand after losing market share in the last decade.

The likes of Volkswagen to Renault and BMW hold less than 3% share of India's car market, according to industry data. The South Asian country's car market is dominated by Maruti Suzuki India Ltd. and homegrown brands Mahindra and Mahindra Ltd. and Tata Motors PV Ltd., which together hold two-thirds.

In a first, gold price breaches past $5,000 amid Trump-fuelled global tensions

NEW DEIHI, (Agency). Gold soared past $5,100 an ounce on Monday, reaching a new record for the first time as more investors turned to the safe-haven asset amid growing global tensions. The metal jumped 64% in 2025, in what was its strongest yearly rise since 1979.

Notably, the price has hit fresh highs day after day over the past week and has already gained more than 18% so far this year.

Gold blasts past $5,100

Spot gold was up 2.2% at

$5,089.78 per ounce by 06:56 GMT (12:26 IST), after earlier reaching a new all-time high of $5,110.50.

Meanwhile, silver rose past the $100 level for the first time on Friday, adding to its 147% jump last year as buying by retail investors and momentum-led trades led to a long period of tight supply in the physical market.

Analysts believe gold could move closer to $6,000 this year as global tensions grow and demand from central banks and retail buyers remains strong, news agency Reuters reported.

Why gold prices are racing

The rapid rise is mainly due to changes in international ties fuelled by US President Donald Trump and investors moving away from government bonds and currencies.

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक